संपादकीय

बंगाल में कानूनी व्यवस्था की हो बहाली

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगु?वा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकर्ताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटना म से टीएमसी कार्यकर्ताओं को आ ामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरुआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। **विनोद शर्मा, संपादक**

टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

> निर्वाचन आयोग के अनुसार, मई, 2026 तक इनमें भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और आम आदमी पार्टी इस श्रेणी में शामिल हैं। मान्यता चुनावी प्रदर्शन के आधार पर मिली है। जहां कांग्रेस का उदय स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ, वहीं भाजपा, माकपा, बसपा और 'आप' का उदय उनकी राजनीतिक गतिविधियों के सहारे हुआ। एनपीपी मुख्यत: मेघालय की पार्टी है, जिसका गठन पीए संगमा ने 2013 में किया था। टीवीके की तुलना 1982 में आंध्र प्रदेश में उभरी तेलुगु देशम से की जा सकती है, जिसके पीछे फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव की लोकप्रियता थी।

तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव-परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों-रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है। तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे-कदम सफलता हासिल की है। वह बेशक पहले ही राउंड में 'यूनीकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफ़ाइनल जैसा लगता है। शायद साल-दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें।

वाम दलों ने जगाई विजय की आशा: टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं। तमिलनाडु में सिनेमा और राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और

दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नज़र में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक-परिपक्वता नहीं।

राज्य के मतदाता सत्ता-विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवतः टीवीके का उदय हुआ है। टीवीके संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता-आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी। वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। एजीपी ने 1985 में अपने गठन के तुरंत बाद असम आंदोलन से जुड़े स्वतंत्र प्रतिनिधियों के समर्थन से सरकार बनाई थी। 1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अनेक दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं। कुछ को समय लगा, जबकि कुछ विफल हो गए। पिछले साल बिहार में जन सुराज पार्टी के साथ ऐसा ही हुआ। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्काल नीधि मय्यम भी ऐसी ही एक पार्टी है। बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी के नेतृत्व वाली प्लूरल्स पार्टी जैसी कई छोटी-छोटी नवगठित पार्टियां हैं। वहीं, जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसी छोटी पार्टियां भी हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं सीमित हैं और वे कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। उ.प्र. में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) जैसी पार्टियां हैं, पर ज्यादातर सीमित जातीय क्षेत्र होने के कारण बड़े स्तर पर जगह नहीं बना पाई। इस किस्म के प्रयासों की संख्या बहुत बड़ी है। देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो छह राष्ट्रीय पार्टियां हैं।

चंदेरी की नफासत और एरी सिल्क का सुकोमल मेल

चंदेरी और पूर्वोत्तर भारत के एरी सिल्क के मेल से बनी पद्मा डोरी फ्यूजन फैशन का अनूठा उदाहरण है। यह वस्त्र परंपरा और आधुनिकता को जोड़ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना साकार करता है। हल्केपन, नफासत और टिकाऊपन से युक्त यह कपड़ा भारतीय हथकरघा विरासत को वैश्विक पहचान देता है। दो परंपराओं का मिश्रण चाहे वह किसी भी रूप में हो एक नया संयोजन सामने लाता है। ऐसा संयोजन न केवल आकर्षित करता है, वरन दो संस्कृतियों को एक सूत्र में जोड़ता भी है। मध्य प्रदेश के चंदेरी और पूर्वोत्तर भारत, इन दो परंपराओं से जन्मी, पद्मा डोरी की अवधारणा फैशन की दुनिया में फ्यूजन के चलन का परिचायक है। यह एक ऐसा अनोखा उत्पाद है जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना का एक सशक्त प्रतिबिंब है, जहां विविधता ही एकता को मजबूत बनाती है। मध्य

प्रदेश की चंदेरी और पूर्वोत्तर भारत की एरी सिल्क के मेल से बना, पद्मा डोरी वस्त्र फाइबर, शिल्प और डिजाइन की विभिन्न शैलियों को एक साथ मिश्रित कर दो परंपराओं को साथ लाता है। यह पूर्वोत्तर की फाइबर परंपराओं और चंदेरी की हथकरघा विरासत को एक साथ लाकर एक एकीकृत और टिकाऊ कपड़ा पारिस्थितिकी तंत्र बनाता है। जब परंपरा के साथ नयापन जुड़ जाता है तो फैशन की भी एक नई परिभाषा लिखी जाती है। एरी सिल्क को चंदेरी बुनाई के साथ मिलाकर किया गया प्रयोग विभिन्न परिधानों को खास ढंग से पेश करता है। साड़ियां, सूट, दुपट्टे और कपड़ा इसके द्वारा बनाए जा रहे हैं। पद्मा डोरी इसलिए विशिष्ट है, क्योंकि यह दो अलग-अलग वस्त्रों से बना है। एरी सिल्क, जिसे 'अहिंसा रेशम' के नाम से जाना जाता है–फिलोसामिया रिसिनी रेशम के कीड़ों से उत्पादित एक टिकाऊ, मजबूत और मैट फिनिश वाला वस्त्र है, जो मुख्य रूप से मेघालय और भारत के अन्य उत्तरपूर्वी राज्यों में पाया जाता है। इसे अहिंसा सिल्क इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसका कीड़ा प्रक्रिया के दौरान मरता नहीं है, बल्कि पहले ही एक छेद द्वारा बाहर निकल जाता है। एरी रेशम के धागे में कुछ अनूठे गुण होते हैं, इसीलिए इसे सर्व-मौसम फाइबर कहा जाता है। एरी रेशम के समतापी गुण इसे गर्मियों में ठंडा और ऊष्मीय गुण सर्दियों में गर्म बनाते हैं। चंदेरी सिल्क मध्य प्रदेश का एक पारंपरिक, हल्का हाथ से बुना हुआ कपड़ा है, जो अपनी चमकदार पारदर्शिता, पारदर्शी बनावट और आधुनिक डिजाइनों के साथ रेशम और कपास के मिश्रण के लिए जाना जाता है। अपने प्राकृतिक गुणों के कारण एरी सिल्क त्वचा पर कोमल होता है और जलन या खुजली पैदा नहीं करता। यह सबसे अधिक जल सोखने वाले रेशम के रूप में जाना जाता है।

देहदानी स्व. मेघराज जैन को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी गई अंतिम विदाई

सक्षम लायन्स नेत्रदान-देहदान समिति के सहयोग से संपन्न हुआ 24वां देहदान

पीपुल्स प्रवक्ता खण्डवा।

आदर्श नगर लालचौकी निवासी 81 वर्षीय देहदानी स्व. मेघराज जैन के देवलोकगमन उपरांत उनके पार्थिव शरीर का देहदान समाजसेवा एवं मानवता की मिसाल बन गया। लायन्स नेत्रदान, देहदान एवं अंगदान जनजागृति समिति के संयोजक नारायण बाहेती एवं समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि स्व. मेघराज जैन के पुत्र एवं लायन्स क्लब सनावद स्नेह के अध्यक्ष लायन रजनीश जैन सहित परिवारजनों अमरीष जैन, तरुण कुमार जैन तथा जैन समाज खण्डवा के वीरेन्द्र जैन की सहमति से समिति के माध्यम से देहदान की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

समाजसेवी व सदस्य सुनील ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा देहदानी व्यक्तियों को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किए जाने की घोषणा के अनुरूप नोडल अधिकारी सूबेदार जामोद के निर्देशन में पुलिस विभाग की टीम द्वारा लायन्स भवन खण्डवा में स्व. मेघराज जैन के पार्थिव शरीर को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। देहदान की संपूर्ण प्रक्रिया में लायन्स

नेत्रदान, देहदान एवं अंगदान जनजागृति समिति के संयोजक नारायण बाहेती, डॉ. सोमिल जैन, प्रहलाद तिरोले, सुनील जैन, अनिल बाहेती, राजीव शर्मा, राजीव मालवीय, डॉ. राधेश्याम पटेल, गांधी प्रसाद गदले, घनश्याम वाधवा, सुरेन्द्रसिंह सोलंकी, रणवीर सिंह चावला, चंचल गुप्ता, लियो सुमित परिहार, अर्पित बाहेती, अपूर्व उपाध्याय सहित लायन्स क्लब खण्डवा, सक्षम संस्था, महर्षि दधीचि देहदान समिति एवं लियो क्लब खण्डवा के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात स्व. मेघराज जैन की अंतिम यात्रा निज निवास से मेडिकल कॉलेज खण्डवा के लिए रवाना हुई। नारायण बाहेती ने बताया कि नेत्रदान एवं देहदान के प्रति सतत जागरूकता अभियान के परिणामस्वरूप समिति के सहयोग से यह 24वां देहदान संपन्न हुआ। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डीन डॉ. संजय दादू, डॉ. विनित गोहिया, डॉ. राजीव जोशी, डॉ. बुद्धदेव घोष एवं डॉ. नितिन नाईक सहित चिकित्सकों, मेडिकल विद्यार्थियों एवं गणमान्य नागरिकों ने पुष्पमालाएं अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में चिकित्सकों ने मृत देह को मेडिकल विद्यार्थियों का प्रथम गुरु÷ बताते हुए देहदान के महत्व पर प्रकाश डाला तथा समिति एवं परिजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। श्रद्धांजलि सभा में नारायण बाहेती, सुनील जैन, रणवीर सिंह चावला, अनिल बाहेती, राजीव मालवीय, घनश्याम वाधवा, उमाशंकर उपाध्याय, लायन्स क्लब अध्यक्ष राजीव शर्मा, देवेन्द्र जैन, वीरेन्द्र जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। लायन रजनीश जैन ने समिति, लायन्स क्लब खण्डवा एवं जैन समाज खण्डवा,मेडिकल कॉलेज खण्डवा के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति के अनिल बाहेती ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन, चिकित्सकों, पुलिस विभाग एवं सभी सहयोगी संस्थाओं और सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

व्यापारी कल्याण बोर्ड गठन पर खण्डवा भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ व चेम्बर में खुशी का माहौल

पीपुल्स प्रवक्ता खण्डवा।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जहां इस वर्ष किसान कल्याण वर्ष वर्ष मनाया जा रहा है वहीं सरकार द्वारा व्यापारी हितों को ध्यान में रखते हुए व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन किए जाने पर व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल व चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुनील बंसल के नेतृत्व व प्रदेश संयोजक धीरज खण्डेलवाल के निर्देशन में भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ जिला कार्यकारिणी व चेम्बर ऑफ कामर्स की जिला कार्यकारिणी द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

प्रवक्ता नारायण बाहेती व सुनील जैन ने बताया कि इस अवसर पर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बाजारों में पहुंचकर व्यापारियों का मुंह मीठा कराते हुए सभी को बधाई दी। जिला संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि भाजपा की सरकार सबका साथ सबके विकास सबके विश्वास के साथ कार्य कर रही है। किसानों के साथ ही प्रदेश सरकार सदैव व्यापारियों के हितों के लिए समर्पित रही है, तथा व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन व्यापारिक वर्ग के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में जिला व्यापारी प्रकोष्ठ कार्यकारिणी एवं भारतीय जनता पार्टी संगठन का विशेष योगदान रहा है। इस अवसर पर विधायक कंचन तनवे, मुकेश तन्वे हरीश कोटवाले,डॉ अनीश अरझरे,के साथ ही व्यापारी वर्ग से अतुल मंगल,प्रशांत,तारिक ,अमित, विनित,राकेश अग्रवाल,शरद बंसल, नारायण बाहेती, सुनील जैन सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह एवं हर्षोल्लास से भरा रहा।

शहर के विकास के साथ महापौर ने कलेक्टर से मुलाकात

सिटी से बाहर स्लाटर हाउस निर्माण के लिए भूमि को लेकर चर्चा की

पीपुल्स प्रवक्ता खंडवा।

विगत दोनों इमली पुरा क्षेत्र में जिला प्रशासन पुलिस एवं नगर निगम प्रशासन द्वारा अवैध कारखाने पर कार्रवाई की गई, जहां पशुओं की चर्बी, हड्डी, सिंग और तरल पदार्थ बिना अनुमति के पाए जाने से उन्हें जब्त तक कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की गई।

बिना अनुमति के कार्य करने को लेकर उस भवन को भी प्रशासन द्वारा धवस्त किया गया। शहर वासियों द्वारा जनप्रतिनिधियों से शहर के बाहर स्लॉटर हाउस खोलने की बात कही

गई। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि शहर विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर गुरुवार को महापौर अमृता अमर यादव, परिषद अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, एम आई सी के सदस्य राजेश यादव,सोमनाथ काले,विक्की भांवरे, अनिल वर्मा, दीना पंवार ने जिला कलेक्टर ऋषव गुप्ता से कलेक्टर कार्यालय में सौजन्य भेंट कर आवश्यक मुद्दों पर चर्चा की।

सुनील जैन ने बताया कि शहर के विकास के साथ ही महापौर अमृता यादव ने इस दौरान स्लॉटर हाउस को बिच सिटी से शहर के बाहर स्थापित किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की एवं स्लाटर हाउस के लिए शासकीय भूमि की मांग के साथ ही जनस्वास्थ्य, स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुझाव एवं विचार साझा किए गए।

वीर योद्धा महाराणा प्रताप के बलिदान को याद किया

पीपुल्स प्रवक्ता खंडवा।

सदभावना सदस्यों व्दारा मंच संस्थापक प्रमोद जैन के नेतृत्व में आयोजित सभा में वीर शिरोमणि, महान देशभक्त, हल्दीघाटी का अदम्य वीर योद्धा महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर उनके व्दारा दिये योगदान को याद कर पुष्पांजलि अर्पित की।

यह जानकारी देते हुए मंच के निर्मल मंगवानी ने बताया कि मंच सदस्यों ने महाराणा प्रताप के छाया चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात नमन कर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप मेवाड़ के वीर योद्धा थे, जिन्होंने अधीनता स्वीकार करने से साफ इनकार कर अपने 22000 हजार सैनिकों के साथ अकबर के 80000 हजार सेना से लोहा लिया था। उन्होंने अपने जीवन भर मुगलों के

खिलाफ संघर्ष किया और अपने राज्य की रक्षा की। ऐसे योध्दा के पद चिन्हों पर चल कर हमें राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर मंच के प्रमोद जैन, पूर्व डीएसपी आनंद तोमर, डा. जगदीशचंद्र चौरे, सुरेंद्र गीते, डा. एमएम कुरेशी, गणेश भावसार, निर्मल मंगवानी, राधेश्याम शाक्य, एनके दवे, सुभाष मीणा, त्रिलोक चौधरी, सईद खान, कैलाश पटेल आदि सहित सद्भावना मंच सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, भाग्यमीडिया पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक राजेश शर्मा द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस काम्पलेक्स जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित कर, जी-11 प्रथम तल गोयल निकेत जोन-1 एम.पी. नगर भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित, पिन-462011, संपादक : विनोद शर्मा, फोन नं. 0755-4512708, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार सभी मामलों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा । RNI No. MPHIN/2016/68059